


फर्द अहकाम

भगवाना बनाम शंकर

नाम न्यायालय

केस संख्या 30/60/02

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
	<p>7/9/21</p> <p>9/9/21</p>	<p>प्रत्यक्षीय प्रीतिंग मी / अहकाम पर पी. जे. अहिम पाठनाम 88 दिनांक 13/9/21 को पेश हुआ</p> <p>वादी मय अधिवक्ता के उपास्थित होकर वाद विद्रा करवाने का प्र.प. पेश किया जाने पर पत्रावली आज तलब की गयी। वादी अपना प्र.प. वाद विद्रा का पेश कर निवेदन किया की दोनों पक्षों में आपस रजनीनाग हो गया है। अब आगे वाद चलाना नहीं चाहता है। वादी के विद्रा प्र.प. एवं पत्रावली का अवलोकन किया गया। वादी का विद्रा प्र.प. पर मनन किया गया। वादी को अपना वाद-पत्र विद्रा करने की अनुमति दी जाती है। वादी का वाद विद्रा किया जाता है। पत्रावली फैसल हो। पत्रावली दर्ज नम्बर से कग होकर दायिना दफतर हो। वादी की पक्ष्या वादी अधिवक्ता के के. जैन ने की।</p>	<p></p> <p>कि. उरजा</p> <p>भगवाना सहाय</p> <p>9/9/21</p> <p>(के. के. जैन का)</p> <p>सहायक कलकरी (फास्ट ट्रेक) चौम (जयपुर)</p>